अन्नपूर्णा योजना
7 जन्मदिन | वैवाहिक वर्षगाँठ | पूर्वज-वार्षिकी
प्रकाशन तिथि : 09 अगस्त, 2025
Posted at N.I. Estate P.O. N.D.-28
From 11-08-2025 to 15-08-2025
The Registrar of News Papers for India
R.N.I. DELHIN-2001-3044 Regd.
News Paper "Registered"
- DL(W) 10/2034/2023-25
- U(W)-37/2023-25
Licenced to post without prepayment

धर्मदूत

'धर्म एवं सामाजिक जागृति का अनुपम मासिक पत्र'

प्रतिष्ठा में,

प्रेषक : विश्व जागृति मिशन, ओंकारेश्वर महादेव मंदिर, 'जी' ब्लाक, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली-110015

अगस्त, 2025 | भाद्रपद | सं. 2082 | अंक 289 | मूल्य एक प्रति 5.00 रु. | वार्षिक 50.00 रु. | पृष्ठ 8

1 अध्यात्म | 2 सम्पादकीय | 3 अम्बर की पाती | 4 समाचार दर्शन | 5 गुरु घर से पाती | 6 धर्मादा | 7 समाचार दर्शन | 8 समाचार दर्शन

करुणा भाव की जागृति से सौभाग्य का जागरण, भगवत्प्राप्ति

श्रद्धापूर्वक यज्ञ करने से सुख-शांति, धन-समृद्धि और स्वास्थ्य सम्पदा की प्राप्ति होती है। जो व्यक्ति श्रद्धा और सद्भाव से यज्ञ में धन लगाते हैं उनका धन धन्य होकर और अधिक बढ़ता है। यज्ञ में लयबद्ध मंत्रोच्चार के साथ आहुति देने से वायुमंडल में दिव्य तरंगों का प्रसार होता है। जिससे नकारात्मकता दूर होती है और सकारात्मकता का शुभागमन होता है। नवरात्रों और दीवाली के मध्य जब शरद पूर्णिमा का चांद अम्बर से धरती पर धन-धान्य, सुख-शांति की शीतल वृष्टि कर रहा होता है। ऐसे शुभ समय पर आनंदधाम आश्रम में 25 वर्षों से लगातार श्री गणेश लक्ष्मी महायज्ञ हो रहा है। यह महायज्ञ भक्तों के सुख-सौभाग्य, धन-समृद्धि के द्वार खोलता है, इस अवसर का लाभ अवश्य लें।

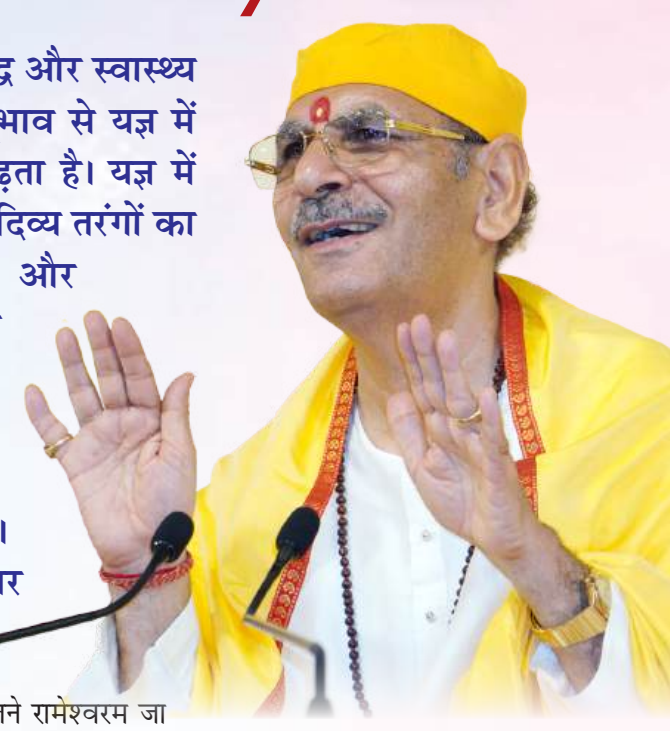

बादल कभी पक्षपात करते हैं? नहीं करते। वे तो सर्वत्र बरसते हैं। जहां कहीं भी पात्र मिलता है, वहीं पर जल भर देते हैं। जहां पात्रता की कमी होती है, वहां वहां जल की कमी आती है। जितनी अधिक पात्रता हमारे जीवन में होगी, उतनी ही हमारे जीवन में समृद्धि आएगी। हमारे जीवन में जितनी श्रद्धा होगी, उतने ही हम सौभाग्यशाली होते जाएंगे। यदि हमारे जीवन में श्रद्धा हो तो भगवान हमारे से दूर नहीं और हम भगवान से दूर नहीं। वैसे भगवान निरन्तर हमारे पास ही रहते हैं।

जब तक हमारी पात्रता विकसित नहीं होती, तब तक भगवान क्या इंसान भी इंसान के नजदीक होकर नजदीक नहीं होता। जब आपके जीवन में पात्रता आ जाएगी तो भगवान स्वयं आपके पास आ जाएंगे। जब वर्षा होती है तो कहते हैं, केले में कपूर पैदा होता है और सीप में मोती, काले सांप में मणि, बांस में वंशलोचन पैदा हो जाता है। आप इस सिद्धान्त को समझ लीजिए, जब तक पात्र का मुंह नहीं खुला होगा, तब तक कोई भी बूंद भीतर प्रवेश नहीं कर सकती। आपके दिल में भावनाएं हैं तो यदि आपका उच्चारण भी अशुद्ध होगा तो भी आप बाल्मीकि की तरह से मरा-मरा उल्टा जपकर ऋषि बन सकते हैं। ऐसा तभी होगा, जब आपके मन में श्रद्धा भाव होगा।

एक बार संत एकनाथ रामेश्वरम जा रहे थे। उनके हाथ में गंगाजल था। मन में भावना थी। हम भगवान को गंगाजल चढ़ाएंगे। रास्ते में एक गधा प्यास से तड़प रहा था। संत ने मन में विचार किया - इस गंगाजल से मैं गधे की प्यास बुझाऊं या भगवान को नहलाऊं, मन के अन्दर की क्षुद्रता ने कहा-गधे का क्या? यह तो एक नीच प्राणी है। भगवान को गंगाजल चढ़ाइए। अन्दर के देवता ने कहा-नहीं, ऐसा नहीं हो सकता। हमारे सामने जब गधा प्यास से तड़प रहा है, वह भगवान का ही रूप है। एकनाथ ने सारे पात्र का गंगाजल लेकर गधे को पिला दिया। गधे ने पूछा- तुम अपने भगवान से मिलने रामेश्वरम जा रहे थे, तो मुझे जल क्यों पिलाया? एकनाथ ने कहा-हां, मैं भगवान के दर्शन करने जा रहा था, पर तुम प्यासे थे, सो गंगाजल तुम्हें पिला दिया। एकनाथ की करुणा से प्रसन्न होकर उस गधे से साक्षात् भगवान रामेश्वरम प्रगट हो गए और उन्होंने कहा-एकनाथ! में ही रामेश्वरम हूं। आ मैं तुझे गले से लगा लूं और रामेश्वरम ने एकनाथ को अपने हृदय से लगा लिया।

हमें अपनी आत्मा पर पड़ी मलीन चादर को हटाना चाहिए। जब तक आवरण नहीं हटेगा तब तक भगवान नहीं आएंगे। जब अंगारे के ऊपर राख की सफेद पर्त छा जाती है तो वह अंगारा कोई खास गर्मी नहीं पहुंचाएगा। जब आप अंगारे पर से उस राख को हटा देंगे तभी अग्नि का वास्तविक स्वरूप दिखाई देगा। इसी अग्नि को पूजित कर इसमें यज्ञीय सामग्री की मंत्रोच्चार के साथ आहुतियां देंगे तो यज्ञ अग्नि की ज्वाला और धूम्र से वातावरण में शुद्ध होगी, नकारात्मकता हटेगी व सकारात्मकता आएगी। श्रद्धा से दी गई आहुतियों से प्रसन्न होकर भगवान मनोकामनाएं पूर्ण करेंगे। मन को निर्मल रखने पर हमारी आत्मा पर से आवरण हट जाएगा। यही अध्यात्म है, यही आत्मा का परमात्मा से मिलन है। ●

यज्ञ के चमत्कारिक गुण

सद्गुरुदेव जी महाराज की शिष्यों पर अनन्त कृपाएं हैं। प्रत्येक अनुष्ठान में कोई सकारात्मक रहस्य छिपा होता है। 8000 से अधिक सत्संगों में महाराजश्री प्रत्येक सत्संग में कम से कम दो-तीन दिनों के लिए यज्ञ की व्यवस्था करते रहे हैं। पिछले 25 वर्षों से आनंदधाम आश्रम में श्री गणेश-लक्ष्मी महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें अब तक हजारों याज्ञिक भाग लेकर लाभ ले चुके हैं।

अभी वर्तमान में ही जे.एल.एल. मेडिकल कॉलेज अजमेर ने यज्ञ-हवन के चमत्कारिक गुणों पर शोध करके निष्कर्ष निकाला है कि हवन से बैकटीरिया का उपचार होता है। प्रोफेसर डॉक्टर विजयलता रस्तोगी ने सालों की शोध से यह सिद्ध किया है कि हवन से निकलने वाला धुआं बैकटीरिया से लड़ने में सहायता करता है। यज्ञ में एक विशेष तरह की जड़ी-बूटी डाली जाती है जो जलकर एक विशेष प्रकार का धूम्र निकालता है जिसमें एंटीबैकटेरियल गुण होते हैं। यह धुआं न केवल वातावरण को शुद्ध करता है, उसे कीटाणुरहित करके सांस के माध्यम से शरीर में जाकर बैकटीरियल इन्फेकशन को भी समाप्त करता है।

सद्गुरु महाराज जी द्वारा यज्ञों-महायज्ञों में जिस हवन सामग्री का प्रयोग किया जाता है वह तो विशेष रूप से गुगल, लोबान, तिल तथा अन्य गुणकारी जड़ी बूटियों को मिलाकर तैयार की जाती है। आनंदधाम आश्रम में गुरुकुल के ऋषिकुमार प्रतिदिन प्रातः यज्ञशाला में यज्ञ करके आश्रमवासियों, सेवकों एवं कर्मचारियों के लिए प्रतिदिन वातावरण को शुद्ध कर देते हैं। गुरुदेव जी ने शिष्यों पर उपकारों की बौछार करके उनके जीवन को स्वस्थ और सुखी बनाने का सर्वदा प्रयास किया है।

-डॉ. नरेन्द्र मदान

सद्गुरुदेव उवाच

परम आनन्द की प्राप्ति के लिए राजकुमार सिद्धार्थ बने महात्मा बुद्ध

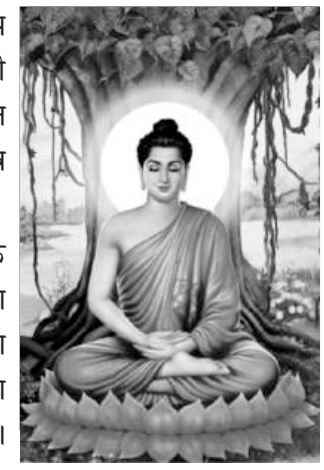

आनन्द परमात्मा का शाश्वत स्वरूप है। आनन्द को आप ऐसा समझिए कि जहां सम्पूर्णता हो, जहां किसी भी प्रकार की न्यूनता न हो। पूर्ण शान्ति हो, उत्साह हो, स्फूर्ति हो, मुस्कान हो, संतोष हो, प्रेम हो, तृप्ति हो, ऐसी अनोखी स्थिति में जब मन मगन होता है, तब परम आनन्द की अनुभूति होती है।

परम आनन्द वह अवस्था है जहां आत्मा अपने वास्तविक स्वरूप को पहचान लेती है। यह परम आनन्द (मुक्ति) का अनुभव है जिसमें व्यक्ति स्वयं का आत्म साक्षात्कार कर लेता है। इसमें कोई इच्छा, भय या बन्धन नहीं रहता। बस आत्मा का शुद्ध अस्तित्व होता है। सांसारिक सुख क्षणिक होते हैं। परन्तु परम आनन्द नित्य, शाश्वत और अपरिवर्तनीय होता है। यह न तो विषयों में मिलता है, न परिस्थितियों में। यह तो अन्दर की उपज है, जीवन का परम लक्ष्य है और इसकी प्राप्ति केवल तप, सेवा, ध्यान और सत्यतापूर्ण जीवन जीने से प्राप्त होती है। परम आनन्द की प्राप्ति हो जाने पर व्यक्ति न दुःख में दुःखी होता है और न ही सुख में अहंकारी बनता है।

परम आनन्द एक ऐसा शाश्वत सुख है जिसे पाने के बाद कुछ और पाना बाकी नहीं रह जाता है। आनंद अपूर्णता से पूर्णता की यात्रा है। जीव का शिव से मिलन है। इस आनंद की प्राप्ति होती है प्रभु के भजन और ध्यान से। जब आनंद की प्राप्ति हो जाती है तो सभी सांसारिक सुख गौण हो जाते हैं। किन्तु दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है हम में से अधिकांश लोग भ्रम की स्थिति में जीते हैं, जीवन की ऊपरी परत में हमारा वास है। हमारा लक्ष्य सुख है। सुख और आनंद में धरती आसमान का अंतर है। सुख का सम्बन्ध हमारे शरीर की आवश्यकताओं की पूर्ति से है। धन, वैभव, सम्पन्नता न जाने संसार की क्या-क्या और कितनी वस्तुएं हमारी प्राथमिकता हैं। आनंद बाहर नहीं, आनंद अंदर है। आनंद अंदर के अन्तर्तम के अंधेरे में छिपा हुआ है। ध्यान से, साधना से, समाधि से जब अंदर के अंधेरे की परत छटती है तो चित्त निर्मल हो जाता है और निर्मल चित्त में ही उस परम आनंद स्वरूपी शाश्वत सनातन ईश्वर की प्राप्ति होती है, जिस आनंद की प्राप्ति में बाधक बन रहे सभी सांसारिक सुखों को एक झटके में त्यागकर राजकुमार सिद्धार्थ महात्मा बुद्ध बन गए। ●

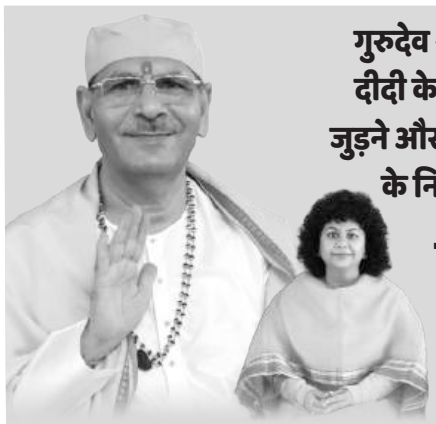

गुरुदेव श्री सुधांशु जी महाराज एवं डॉ. अर्चिका दीदी के विचार सुनने व विश्व जागृति मिशन से जुड़ने और दूसरों को जोड़ने के लिए सोशल मीडिया के निम्नलिखित प्लेटफार्म पर सम्पर्क करें-

TO CONTACT US : LOG-IN

VISHWA JAGRITI MISSION
Facebook Youtube Instagram X Linked In Whatsapp

HIS HOLINESS SUDHANSHU JI MAHARAJ
Facebook Youtube Instagram X Koo Linked In Speaking Tree

DR. ARCHIKA DIDI JI
Facebook Youtube Instagram X Koo Linked In Speaking Tree

दूरदर्शन पर देखिये गीता ज्ञान अमृतम्
DD NATIONAL
प्रतिदिन प्रातः 7:00 से
Tata Sky - 197
Airtel - 153
Dish TV - 113
Tata Play - 114 in SD
Jio TV, Watcho and Waves OTT

संस्कार
सोमवार से शुक्रवार
प्रतिदिन प्रातः 7:45 से 8:05 तक

Phone +91 99999 04747

www.sudhanshujimaharaj.net
www.vishwajagritimission.org
www.drarchikadidi.com
info@sudhanshujimaharaj.net
info@vishwajagritimission.org

Jaago Sudhanshu Ji Maharaj

पूज्य श्री सुधांशु जी महाराज के पावन सानिध्य में
भक्ति सत्संग के आगामी कार्यक्रम, 2025

15 अगस्त	-	स्वतंत्रता दिवस, आनन्दधाम आश्रम, नई दिल्ली
16 अगस्त	-	श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, आनन्दधाम आश्रम, नई दिल्ली
02 अक्टूबर	-	श्रद्धापर्व, आनन्दधाम आश्रम, नई दिल्ली
04 से 07 अक्टूबर	-	श्री गणेश लक्ष्मी महायज्ञ, आनन्दधाम आश्रम, नई दिल्ली
07 अक्टूबर	-	शरद पूर्णिमा दर्शन, आनन्दधाम आश्रम, नई दिल्ली
12 से 16 नवम्बर	-	श्रीकृष्ण ध्यान-योग, वृन्दावन, उत्तर प्रदेश
27 से 30 नवम्बर	-	विराट भक्ति सत्संग, बरनाला, पंजाब

आयोजक : विश्व जागृति मिशन

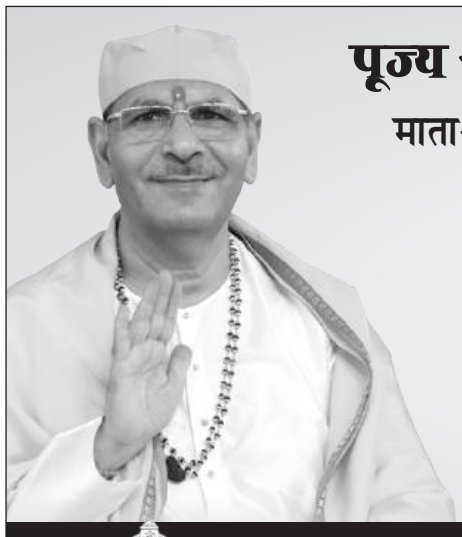

पूज्य श्री सुधांशु जी महाराज एवं डॉ. अर्चिका दीदी के पावन सान्निध्य में

माता-पिता एवं राष्ट्र व समाज को गौरवान्वित करने पर अति विशिष्ट वरिष्ठजनों के सम्मान का पर्व

श्रद्धापर्व महोत्सव

2 अक्टूबर, 2025
प्रातः - 10 बजे से

स्थान
आनन्दधाम आश्रम,
बक्करवाला मार्ग, नई दिल्ली - 110041

आयोजक : विश्व जागृति मिशन-अन्तर्राष्ट्रीय यूथ विंग | दूरभाषः +91 9999904747

प्रिय आत्मन्!

जीवन के कई रूप हैं। कभी संघर्ष, कभी परीक्षा, कभी अवसर, कभी उपहार, कभी उत्सव, कभी उत्साह, कभी सुखमय, कभी दुखमय और कभी लगता है कि यह केवल सांसों का सफर मात्र है। इस जीवन रूपी पहेली को प्रत्येक व्यक्ति समझने की कोशिश करता है, लेकिन जीवन के अंतिम क्षणों तक ठीक तरह से समझ नहीं आता कि आखिर जीवन क्या है? मतलब चलते-चलते जीवन की सांझ होने लगती है और व्यक्ति यही कहता है कि अब मुझे समझ में आया है कि मुझे कैसा जीवन जीना चाहिए था, कैसे चलना चाहिए था, जीवन कैसे गरिमापूर्ण होता है। पंच तत्वों का यह संघात मानव तन परमात्मा की दिव्य योजनाओं के साथ जीवात्मा के साथ संयुक्त कर दिया गया है और वहीं से जीवन यात्रा शुरू हो जाती है। परमात्मा के दिए हुए इस उपहार का इस तरह उपयोग करें कि जीवन की यात्रा आनंद यात्रा बन जाए। भगवान करे परमात्मा के इस दिव्य उपहार की दिव्यता आप सभी की समझ में आए। इस अनमोल देन देने वाले दाता के प्रति कृतज्ञ रहें, अपने कर्म कर्तव्य करते हुए पूजा-प्रार्थना, यज्ञ-अनुष्ठान से उसे रिझाएं, उसके हो जाएं।

बहुत-बहुत आशीर्वाद, शुभ मंगल कामनाएं।

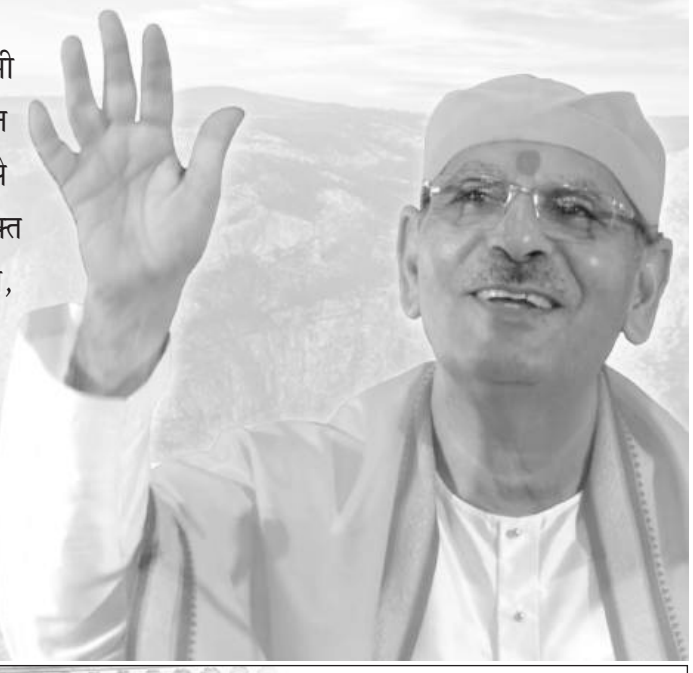

-आचार्य सुधांशु

एक बार दान, अनंतकाल तक पुण्य का वरदान

धर्मकोष एक ऐसा कोष है जिसमें दानदाता एक बार में एक निश्चित धनराशि संस्था द्वारा चलाई गई विभिन्न सेवाओं के लिये दान करेगा, वह राशि दानदाता अपनी सुविधानुसार चार किश्तों में भी दे सकता है। दानदाता से प्राप्त सहयोग राशि को बैंक में स्थाई रूप से जमा कर दिया जायेगा और उस राशि से प्राप्त ब्याज या अन्य माध्यमों से प्राप्त आय द्वारा विश्व जागृति मिशन की विभिन्न सेवाएं निरन्तर संचालित रहेंगी। धर्मकोष में दी गई यह धन राशि ठीक वैसे ही है जैसे एक बार आम का पेड़ लगाओ और जिन्दगी भर उसके फल खाओ। अर्थात् धर्मकोष में एक बार दान दो और उस दान की अर्जित राशि से वर्षों-वर्षों तक दान देने का पुण्य लाभ पाओ।

धर्मकोष दानदाताओं के लिए आनन्दधाम में होता है
नित्य यज्ञ, पूजा, प्रार्थना एवं आरती

मिशन द्वारा संचालित सेवाकार्यों और भक्तों के अनन्तकाल तक पुण्य प्राप्ति के लिए एक "**धर्मकोष**" बनाया गया है। इस धर्मकोष में दान देने वाले भक्त के नाम के साथ उसकी वंशावली का नाम एक कालपात्र में स्वर्णाक्षरों में अंकित कर उसे द्वादश ज्योतिर्लिंग प्रांगण में स्थापित किया गया, जो कि सैकड़ों वर्षों तक सुरक्षित रहेगा और दानदाता के आनेवाली पीढ़ियां अपने पूर्वजों पर गर्व करेंगी। धर्मकोष के दान-दाताओं की वंशावली शिव वरदान तीर्थ में स्थापित हैं, जहां पर नित्य सायंकालीन यज्ञ, आरती में गुरुकुल के ऋषिकुमारों द्वारा धर्मकोष के दानदाताओं के लिए यज्ञ में आहुतियां दी जाती हैं तथा उनके लिए प्रार्थना व मंगलकामना भी की जाती है।।

धर्मकोष में आप यह सहयोग सीधे बैंक एकाउण्ट में भी जमा कर सकते हैं। जमा करने के उपरान्त श्री ललित कुमार जी को फोन नम्बर - 9312284390 पर अवश्य सूचित करें ताकि दिये गये दान की रसीद आपको भेज सकें।

Name of Account : VISHWA JAGRITI MISSION
Account number : 235401001600
IFSC : ICIC0002354
Name of Bank : ICICI Bank
Address of Branch : Shop Number 3, Nazafgarh Road,
Nangloi, New Delhi - 110041

शिव वरदान तीर्थ स्थित सोमनाथ ज्योतिर्लिंग

इस अंक में हम बात कर रहे हैं आनन्दधाम आश्रम स्थित शिव वरदान तीर्थ में प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ की। जहाँ-जहाँ शिव ज्योतिरूप में प्रगटे वे स्थान भारत भर में ज्योतिर्लिंग कहलाये, उनकी मान्यता जगत प्रसिद्ध है, उन्ही का साक्षात्स्वरूप आनन्दधाम ओंकार पर्वत की गुफा में 12 ज्योतिर्लिंगों में विद्यमान हैं। यहाँ शिव की दिव्य उर्जा कष्ट हरण करती है। इन ज्योतिर्लिंगों के दर्शन पूजन और रुद्राभिषेक से हजारों भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण हुई हैं। देश विदेश के भक्त यहाँ मनौती पूर्ण करने आते हैं। भारत के महान संतों ने भी यहाँ आकर दर्शन पूजन किया है और कृपा प्राप्त कर आनन्दित हुए हैं। पूज्य जगद्गुरु स्वामी राजराजेश्वराश्रम जी महाराज (हरिद्वार), विश्व प्रसिद्ध राम कथा वाचक पूज्य मोरारी बापू जी, चमत्कारी विद्या के धनी सनातन गौरव बागेश्वर सरकार पूज्य पंडित धीरेन्द्र शास्त्री जी तथा भारत भर के सैकड़ों साधु सन्यासी यहाँ की दिव्य ऊर्जा से लाभान्वित हुए।

मान्यता है कि चन्द्रमा के किसी गलती के कारण उसे शरीर क्षय होने का श्राप मिला। इस श्राप से मुक्ति के लिए चन्द्रमा ने सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की पूजा, उपासना और तपस्या की। चन्द्रमा की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उसे श्राप से मुक्त किया और चन्द्र को अपने मस्तक पर धारण किया। तब से भगवान शिव के साथ चन्द्रमा भी पूजित हो गया। धन-धान्य की प्राप्ति और चन्द्र दोष से मुक्त होकर मानसिक शांति की प्राप्ति के लिए सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की पूजा विशेष फलदायी है। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन-पूजन कर चन्द्र दोष से मुक्ति पाएं और भगवान सोमनाथ की कृपा से धन-समृद्धि का वरदान प्राप्त करें। ●

सामर्थ्य के अनुसार पुण्य अवश्य करें

प्रत्येक मनुष्य को अपने जीवन में पुण्य अर्जित करने के कुछ नियम बनाने चाहिए। इसके लिए जरूरी नहीं है कि आप बहुत बड़े यज्ञों का आयोजन करें, लेकिन अपनी सामर्थ्य के अनुसार आप पुण्यकर्म अवश्य करें। अगर आप सक्षम हैं तो बड़े-बड़े कार्य भी कर सकते हैं, जैसे प्याऊ लगवाना, सत्संग का आयोजन करना, गरीब लोगों के लिए भण्डारे करवाना या उनमें सहयोगी बनना, गरीब लोगों की चिकित्सा में सहयोगी बनना, गरीब कन्याओं के विवाह के आयोजन में सहायता करना, वृद्धाश्रम में सहायता करना, गऊशाला में गायों की सेवा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना, गौदान करना, रक्तदान करना, अपने अंग-प्रत्यंगों को मरणोपरान्त दान करने का संकल्प करना, किसी अनाथालय में पढ़ रहे बच्चों की सहायता करना, किसी भी प्रकार से किसी जरूरतमंद की परेशानी को दूर करने में मददगार बनकर आप पुण्य कमा सकते हैं।

कम से कम इतना तो अवश्य करें?

* गमले में लगे एक पौधे को ही जल से सींचकर तरोताज़ा कर दीजिए।
* कहीं चींटी मिल जाएं तो उन्हें थोड़ा आटा डाल दीजिए।
* प्रात: काल गऊमाता के लिए गऊग्रास निकाल कर उसे अपने हाथों से खिला दीजिए।
* सड़क पर पड़े किसी पत्थर को हटा दीजिए या कहीं कोई गड्ढ़ा बना हुआ हो तो उसे मिट्टी से भर दीजिए।
* अगर आप गड्ढे को मिट्टी से भर नहीं सकते तो वहां एक गोल घेरा ही बना दीजिए। जिससे कोई गड्ढे में गिरने से बच जाए।
* किसी वृद्धव्यक्ति को अथवा नेत्रहीन को सड़क पार करा दीजिए।
* कोई उदास हो, निराश हो, डरा हुआ हो, चिन्ता मगन हो उसकी स्थिति देखकर मुंह न मोड़िए, कुछ ऐसा प्रयास आप करें, जिससे उसके होठों पर मुस्कान आए। ये सब पुण्य के कार्य हैं। कोई न कोई व्रत-संकल्प लेकर पुण्य की यात्रा में सम्मिलत हो सकते हैं।

गुरु ज्ञान वर्षा के साथ सम्पन्न हुआ रोहिणी, दिल्ली में गुरुपूर्णिमा सत्संग

गुरु, गुरुकुल और ईश्वर से जुड़ें बच्चों को संस्कारी बनाएं, संस्कृति बचायें - सुधांशु जी महाराज

रोहिणी, दिल्ली (7 से 10 जुलाई, 2025)। विश्व जागृति मिशन मुख्यालय आनंदधाम आश्रम, नई दिल्ली के संकल्प से "गुरु पूर्णिमा महोत्सव" गुरुमंत्र सिद्धि साधना, दिव्य शक्तिपात क्रिया एवं गुरुमंत्र दीक्षा के साथ अध्यात्मपूर्ण वातावरण में मनाया गया। पूज्य सद्गुरुदेव श्री सुधांशुजी महाराज एवं ध्यान-योग गुरु डॉ. अर्चिका दीदी के पावन सान्निध्य में इस कार्यक्रम का 7 जुलाई को शुभारम्भ हुआ। डॉ. अर्चिका दीदी ने दीप प्रज्ज्वलन किया तथा भजन, संगीत एवं गुरुकुल विद्यापीठ के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत धार्मिक-सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच पूज्य महाराजश्री ने अपने अमृत वचनों से महोत्सव का संकल्प संदेश प्रस्तुत करते हुए भक्तों को भगवान शिव एवं पार्वती के संवादों पर आधारित गुरुगीता की महिमा बताई।

अगले दिन 8 एवं 9 जुलाई के प्रातः कालीन सत्र आध्यात्मिक रहस्यों वाले थे, जिसमें संकल्पित साधकों के बीच गुरुदेव ने गुरुमंत्र सिद्धि साधना जैसे प्रयोग सम्पन्न कराये तथा सभी साधकों को दिव्य शक्तिपात क्रिया से जोड़ा। पूज्य सद्गुरुदेव महाराजश्री के आध्यात्मिक 'शक्तिपात' से साधक गहरी अनुभूतियों में डूबते गये।

9 जुलाई को बड़ी संख्या में नये भक्तों को अपने गुरुदेव से मंत्र दीक्षा पाने का सौभाग्य मिला। इस प्रकार गुरुपर्व पर पधारे देश-विदेश के असंख्य संकल्पित साधक गुरुभक्तों ने गुरुवर के सभी साधनापरक प्रयोगों का आनन्द लिया। इस अवसर पर डॉ. विजय कुमार मिश्र द्वारा सम्पादित 'सनातन जागृति (संस्कृति एवं संस्कार का पुनर्स्थापन)' पुस्तक का विमोचन पूज्य महाराजश्री के करकमलों से किया गया।

गुरुपूर्णिमा पर भक्तों को आशीष देते गुरुवर

इसी क्रम में गुरु पूर्णिमा के दिन गुरु दर्शन, गुरु चरण पूजन, गुरु आरती एवं गुरुकृपा प्राप्ति की दिव्य वेला में दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष श्री विजेन्द्र गुप्ता जी, दिल्ली सरकार के सहकारिता मंत्री श्री रविन्द्र इंद्राज सिंह जी, हरियाणा एवं पंजाब के पूर्व न्यायमूर्ति जस्टिस एस.एन. अग्रवाल, विधायक कर्नेल सिंह जी, विधायक कुलवंत राणा जी, डॉ. अनिल अग्रवाल, खाटू श्याम मंदिर, दिल्ली धाम के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम गुप्ता जावेरी सहित अनेक गणमान्यों ने समारोह स्थल पधारकर पूज्य महाराजश्री से आशीर्वाद प्राप्त किया।

10 जुलाई को आयोजित मुख्य गुरु पूर्णिमा महोत्सव को ऑनलाइन देख रहे भारत सहित विश्व के करोड़ों गुरु भक्तों-शिष्यों ने इस कार्यक्रम से जुड़कर अपने सदगुरु पूज्य गुरुदेव श्री सुधांशु जी महाराज का विधि-विधान से गुरुपूजन करके आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरुपूर्णिमा मनाने कार्यक्रम स्थल पधारे गुरुभक्त- शिष्यों के लिए अपनी गुरुसत्ता का भावभरा पादपूजन-गुरुदर्शन कर जीवन को धन्य बनाने का प्रत्यक्ष अनुभव अभूतपूर्व रहा। भक्तों ने गुरु निर्देशित सेवा, साधना, सत्संग आदि गुरुकार्यों के लिए अपनी पवित्र कमाई का एक अंश नियमित लगाने हेतु संकल्प लिए।

मिशन के वरिष्ठ पदाधिकारियों में मिशन के प्रधान श्री प्रेम सिंह राठौर जी, महामंत्री श्री देवराज कटारीया जी, श्री

गुरु सान्निध्य में दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष श्री बिजेन्द्र गुप्ता

यशपाल सचदेवा जी, श्री एन.पी. चण्डेक जी आदि ने व्यासपीठ पर पूज्यवर का पादपूजन करके आशीर्वाद लिया। इसके साथ ही देश-विदेश से कार्यक्रम में पधारे शिष्यों ने गुरुसत्ता के प्रति अपनी-अपनी श्रद्धा, कृतज्ञता व्यक्त की और आध्यात्मिक प्रगति हेतु आशीर्वाद मांगा। गुरुवर ने सबको अपना तप बांटा और मुस्कुराते रहने का संदेश दिया।

गुरुपूर्णिमा महोत्सव पर पूज्य महाराजश्री जी ने भविष्य में भावी पीढ़ी को संस्कारवान बनाकर धर्म से जोड़ने का संकल्प जगाते हुए कहा कि सबके जीवन में परिवर्तन के अवसर आते हैं। जो समय को महत्व देते हैं, वे अपना सौभाग्य जगा लेते हैं। अपने कर्मों को गुरु व ईश्वर से जोड़कर जीवन को धन्य बना लेते हैं। पूज्यवर ने भक्तों को अपने परिवार में बच्चे के लिए संस्कारवान वातावरण बनाने पर जोर देते हुए कहा-जिन परिवारों में अभिभावक अपने बच्चों को रोज मंदिर जाने के लिए प्रेरित करते हैं, उनके बच्चों के अन्दर संस्कार जगते हैं। हमारे गुरुकुल ही संस्कारों के केंद्र थे, जिन्हें फिर से उसी रूप में स्थापित करने की आवश्यकता है। हमारे गुरुकुल जागृत होंगे, तो हमारा राष्ट्र बचेगा और हिंदू संस्कृति भी बचेगी।

इस अवसर पर ध्यान एवं योग गुरु डॉ अर्चिका दीदी जी ने गुरुदेव के दर्शन-आशीर्वचन के लिए पर्व पर पधारे भक्तों को गुरुपर्व की मंगलकामनायें दीं और अपने उद्बोधन में कहा कि इस धरा पर दो ही जीवन प्रदाता हैं, प्रथम हैं माता पिता और दूसरे सद्गुरु हैं।

गुरुपूर्णिमा के इस कार्यक्रम में विश्व जागृति मिशन के वरिष्ठ पदाधिकारियों को गुरुवर के हाथों उनके उपलब्धिपूर्ण पुरुषार्थ के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। ये अधिकारी मिशन के प्रारम्भिक दौर से पूज्य गुरुदेव के सान्निध्य में सेवारत हैं। गुरुदेव ने इनके समर्पण से आह्लादित होकर इन्हें लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड 'धर्मदूत अलंकरण' से सम्मानित किया और आशीर्वाद दिया। इस सम्मान से सम्मानित होने वाले सदस्यों में श्री दौलतराम कटारिया जी, डॉ. नरेन्द्र मदान जी, श्री आर. एल. टुटेजा जी, श्री बलदेव राज पाहुजा जी, श्री बलदेव राज कालड़ा जी, श्री नरेश अग्रवाल जी आदि मुख्य थे। उल्लेखनीय है कि गुरुपूर्णिमा का यह पर्व दिल्ली के साथ भारत के सभी में भक्तों ने बड़ी श्रद्धा और उत्साह से मनाया। ●

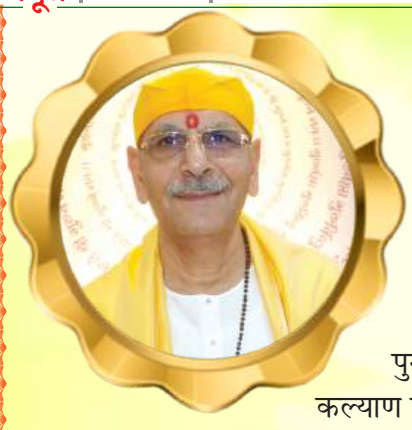

मेरे गुरुवर में भगवान राम का धैर्य और कृष्ण का विवेक

जग में सुंदर हैं दो नाम। चाहे कृष्ण कहो या राम।।

इस संसार में भगवान के दो ही नाम ऐसे हैं जो मनोहारी, कल्याणकारी और आनंदवर्धन करने वाले हैं वह नाम हैं राम और कृष्ण। दोनों ही भगवान विष्णु के अवतार हैं। दोनों ही इस जग के पालनहार हैं। और वह पालनहार भी जग कल्याण हेतु मनुष्य रूप में अवतरित होकर सामान्य मनुष्यों की तरह पहले शिशु रूप में मां की गोद में खेलते हैं, पालने में झूलते हैं और तरह-तरह के मानवोचित कार्य करते हैं, लेकिन इन दिव्य आत्माओं की झलक उनके आचरण, व्यवहार से अपनी दिव्यता दिखाने लगती है, इन पुरुषोत्तम पुरुषों को जो पहचान लेते हैं, उन्हें मानव देह में ही उनमें भगवत्ता नजर आने लगती है और वे उन्हें अपना इष्ट आराध्य मानकर कल्याण पथ के पथिक बन जाते हैं। त्रेता-द्वापर युग में हनुमान, विभीषण, अंगद, जाम्वन्त, शबरी, विदुर, अक्रूर आदि भक्तों ने राम और कृष्ण को भगवान मानकर अपना जीवन सफल कर लिया वहीं रावण, कुम्भकर्ण, मेघनाद, कंस, चाणूर आदि ने अपने सामने खड़े राम और कृष्ण में भगवान को नहीं देख पाए भ्रमित रहे और अपना सत्यानाश करवा लिया।

मैं बात कर रहा हूं पिछले अंक के लेख की जिसमें मैंने लिखा था कि मैंने अपने सद्गुरु पूज्य सुधांशु जी महाराज में भगवान राम और कृष्ण दोनों के स्वरूप के दर्शन किए और विचारशैली व कार्यशैली में एकरूपता देखी। इस अंक में राम और कृष्ण की कलाओं की एकरूपता जो मैंने अपने गुरु में देखी वह लिख रहा हूं। भगवान राम जी की पहली कला है धैर्य और प्रभु श्री कृष्ण की पहली कला विवेक है। मैंने अपने गुरुवर में अपार धैर्य देखा। मानव जीवन उतार चढ़ाव से भरा होता है और जब कोई व्यक्ति कुछ बड़ा कार्य करना चाहता है तो उसके जीवन में चुनौतियां भी बड़ी होती हैं। विश्व जागृति मिशन संस्था की स्थापना के समय से मैंने देखा कि धर्म और समाज सेवा के कार्यों में कई बार गुरुवर के सामने विषम से विषम परिस्थितियां आई, लेकिन हर एक परीक्षा की घड़ी में गुरुवर का धैर्य भगवान राम की तरह अडिग रहा और भगवान श्रीकृष्ण की विवेकशीलता वाली कला का प्रयोग करते हुए चुनौती को पार कर मिशन को सफलता की नई दिशा प्रदान की। गुरुवर हर स्थिति परिस्थिति में अपने धैर्य और विवेक से समभाव में रहे, मैंने कभी भी गुरुदेव के चेहरे पर भगवान राम की तरह शिकवा-शिकायत, शिकन नहीं देखी, वह कृष्ण की तरह मुस्कुराते रहे और सेवाकार्यों को निरंतर गति प्रदान की। गुरुदेव के सन्मुख जो भी आया उसकी दु:ख-परेशानी का हरण-निवारण किया और सदा 'सुखी रहो' का आशीर्वाद देकर भक्तों का जीवन सुखमय बनाया। गुरुवर में राम और कृष्ण की कला के साथ अगले अंक में मैं फिर मिलूंगा।

प्रयास करें प्रतिदिन गुरु से जुड़े रहें। चाहे टी.वी., सोशल मीडिया, सत्संगों या ध्यान शिविरों के माध्यम से।

आपके जीवन में भी गुरु से जुड़ने के पश्चात् निश्चित ही कुछ अप्रत्याशित, आश्चर्यजनक बदलाव आए होंगे, आपत्ति-विपत्ति से बाहर निकले होंगे, तो आप अवश्य हमसे अपने अनुभव साझा कीजिए ताकि आपसे प्रेरित होकर अन्य भक्तों की भी गुरु के प्रति श्रद्धा बढ़े और उन्हें भी आप के जैसा ही गुरु कृपा का लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने अनुभव फोटो सहित श्री शिवाकांत द्विवेदी जी (9968613351) सहसम्पादक धर्मदूत को अवश्य भेजें।

क्रमशः ...

आपका अपना
देवराज कटारीया

श्रावण शिवरात्रि पर आनंदधाम में शिव पूजन एवं कांवड़ जल से रुद्राभिषेक

श्रावण शिवरात्रि के पावन अवसर पर 21 से 23 जुलाई, 2025 तक विश्व जागृति मिशन द्वारा आनंदधाम आश्रम नई दिल्ली में पूज्य सद्गुरु श्री सुधांशु जी महाराज एवं ध्यान गुरु डॉ. अर्चिका दीदी की प्रेरणा सान्निध्य में शिव पूजन, रुद्राभिषेक एवं कांवड़ जल यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। हरिद्वार से कांवड़ में जल भरकर आए कांवड़ियों की आनंदधाम आश्रम में विश्राम, व्रताहार (फलाहार, भोजन) आदि की विधिवत व्यवस्था की गई। श्रावण शिवरात्रि पर प्रात:काल 6 से 7 बजे तक पशुपतिनाथ शिवालय एवं शिव वरदान तीर्थ के द्वादश ज्यातिर्लिंगों का रुद्राभिषेक, पूजन एवं आरती की गई। आरती के उपरांत कावड़ियों ने गुरुकुल के ऋषिकुमारों के साथ मिलकर बड़ी श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से पशुपतिनाथ शिवालय में गंगाजल से अभिषेक किया। सभी श्रद्धालुओं को पूज्य गुरुवर एवं डॉ. दीदी का दर्शन आशीर्वचन भी प्राप्त हुआ। रात्रि की चार प्रहर की शिव पूजा एवं रुद्राभिषेक भी गुरुकुल एवं उपदेशक महाविद्यालय के आचार्यों व ऋषिकुमारों द्वारा सम्पन्न कराया गया। लगातार तीन दिनों तक भजन, पूजन, अभिषेक एवं यज्ञ आनंदधाम आश्रम में चलता रहा। शिव वरदान तीर्थ के पशुपतिनाथ प्रांगड़ में बड़ी सी एल.ई.डी. लगाई गई थी जिसमें शिव महिमा से ओत-प्रोत भजन-नृत्य चल रहे थे, भजनों को सुनकर शिवालय प्रांगड़ में भक्तों को नृत्य करते हुए देखना अति रमणीक था। गुरुवर के आशीर्वाद एवं मिशन के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम व सहयोग से श्रावण शिवरात्रि का यह कार्यक्रम सफलता के साथ सम्पन्न हुआ।

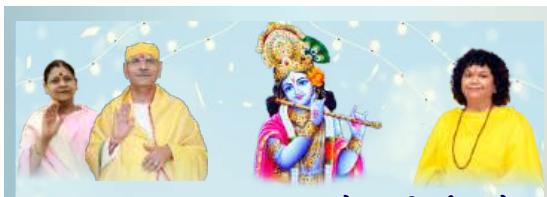

शुभ संकल्पों से नव भारत निर्माण

04 अगस्त, 2025

कृष्ण कृपा से नवनिर्माण के
शुभ संकल्पों से सुसज्जित,
एक पुण्य आत्मा ने
जन्म लिया ऋषिपरिवार में।
कन्या रूप में ही
प्रारम्भ की शिव आराधना,
यौवन में जीवन किया
समर्पित धर्म विस्तार में।
योग साधना की साक्षात मूर्ति,
जन्मदिन की बहुत बधाई,
नई सोच, नव चिन्तन से
नव भारत का निर्माण करें।
युवाशक्ति को नई ऊर्जा,
नवशक्ति का आशीष देकर,
नव चेतना, आध्यात्म से सर्व
मानव जाति का कल्याण करें।

डॉ. नरेन्द्र मदान

12 ज्योर्तिलिंग, 4 धाम और 12 शक्तिपीठों से पूजित सिद्ध त्रिशूल की शोभायात्रा एवं आनंदधाम में श्रावण शिवरात्रि पर स्थापना

अंतर्राष्ट्रीय मंदिर प्रबंधक परिषद् द्वारा 12 ज्योतिर्लिंग, 4 धाम और 12 शक्तिपीठों पर पूजा के बाद सिद्ध 108 त्रिशूल देश-विदेश के दिव्य ऊर्जा से जागृत मंदिरों में स्थापना की जा रही है, उन्हीं त्रिशूलों में से एक त्रिशूल पूज्य सद्गुरु श्री सुधांशु जी महाराज की तपस्थली आनंदधाम के शिव वरदान तीर्थ में सोमनाथ ज्योतिर्लिंग में 23 जुलाई, 2025 को श्रावण शिवरात्रि के शुभ अवसर पर स्थापना की गई। स्थापना से पूर्व आनंदधाम आश्रम से 22 जुलाई, 2025 को सायं 5 बजे से भगवा त्रिशूल यात्रा बक्करवाला मोड़, चंचलपार्क, पुलिस एंकलेव, रनहौला, राजीव रत्न आवास, बापरौला, बनी कैम्प होते हुए आनंदधाम आश्रम में सम्पन्न हुई। इस शोभायात्रा में हजारों भक्त सम्मिलित हुए। इस यात्रा को सफल बनाने में अंतर्राष्ट्रीय मंदिर प्रबंधक परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री श्री दीप सिहाग सिसाय एवं राष्ट्रीय महामंत्री, संगठन डॉ. नवीन जैन मालसी तथा आनंदधाम के पदाधिकारियों का सराहनीय योगदान रहा।

बरसाती बीमारियां और बचाव के उपाय

बरसात वह समय होता है, जब बीमारी फैलाने वाली बैक्टीरिया और मच्छर अपने चरम पर होते हैं। मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया और टाइफाइड जैसी घातक बीमारियां बरसात के मौसम में आम बीमारियां हैं और इनमें से लगभग सभी में बुखार, कमजोरी, शरीर में दर्द जैसे कुछ सामान्य लक्षण देखने को मिलते हैं। इस आलेख में हम आपको बरसात में होने वाली बीमारियां और उनसे बचने के उपाय दिये जा रहे हैं, जो आपके लिए काफी मददगार साबित हो सकते हैं।

डेंगू - डेंगू फीमेल एडीज मच्छरों के काटने से फैलता है इस बीमारी के लक्षणों में तेज बुखार, शरीर में दर्द, व्यक्ति को अत्यधिक पसीना, उल्टी, थकान, चकत्ते और लो ब्लड प्रेशर हो सकता है। डेंगू के दौरान प्लेटलेट काउंट कम हो जाता है। **चिकनगुनिया** - यह संक्रामक रोग भी टाइगर मच्छर, एडीज द्वारा फैलता है। इसमें मरीज के जोड़ों में तेज दर्द, बुखार, थकान और शरीर में ठंडक जैसे लक्षण महसूस होते हैं। **मलेरिया** - मानसून में यह रोग भी मच्छरों के कारण होता है। इस बीमारी के लक्षण तेज बुखार, कंपकंपी और शरीर का ठंडा होना, अधिक पसीना आना और गंभीर एनीमिया हैं। इन लक्षणों पर ध्यान देना और उचित उपचार लेना महत्वपूर्ण है। **टायफाइड** - यह मानसून से संबंधित अत्यधिक संक्रामक बीमारियों में से एक है। यह दूषित भोजन और पानी के कारण होता है और इसके लक्षणों में लंबे समय तक तेज बुखार, कमजोरी, पेट दर्द, भूख कम लगना शामिल हैं।

इन्फ्लूएंजा - मौसम में अचानक बदलाव और तापमान में उतार-चढ़ाव इन्फ्लूएंजा का कारण बन सकता है। यह एक वायरल संक्रमण है जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है। इस बीमारी के लक्षणों में बुखार, मांसपेशियों में दर्द, गले में खराश, नाक बंद होना और लगातार खांसी शामिल हैं।

बरसाती बीमारियों से बचने के उपाय

अधिक पौष्टिक भोजन करें और जंक फूड के सेवन से बचें। हाइड्रेटेड रहें और गर्म और साफ पानी पिएं। अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली को दुरुस्त रखने के लिए विटामिन युक्त खाद्य पदार्थ लें। अपने आस-पास साफ-सफाई रखें और कूलर के पानी को रोज बदलें। मच्छर भगाने वाली क्रीम, मच्छरदानी का इस्तेमाल करें। फ्लू और खांसी जैसी इंफेक्शियस बीमारियों से बचने के लिए बाहर निकलते समय मास्क पहनें।

पानीपत मंडल का ‘आनंदमय जीवन संघ’ में शीर्ष स्थान

पूज्य गुरुदेव सुधांशु जी महाराज एवं श्रद्धेया डॉ. अर्चिका दीदी जी की प्रेरणा से परिवार जोड़ो अभियान के अंतर्गत देशभर के 11 से अधिक मंडलों में वरिष्ठ नागरिकों हेतु “आनंदमय जीवन संघ” (सीनियर सिटीजन क्लब) का प्रभावशाली संचालन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में 20 जुलाई 2025 को पानीपत मंडल द्वारा एक भव्य व मनोरंजक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अब तक पानीपत मंडल द्वारा देश में सर्वाधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिससे यह मंडल राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च स्थान पर पहुंच गया है।

इस विशेष आयोजन में वरिष्ठ नागरिकों ने अत्यंत उत्साह से भाग लिया और अपनी छिपी प्रतिभाओं का अभूतपूर्व प्रदर्शन किया। गीत, कविता, नृत्य, हास्य, खेलकूद और अन्य रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से कार्यक्रम में मौजूद सभी जनों को आनंद, ऊर्जा और प्रेरणा की अनुभूति हुई। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मंडल के प्रधान, कार्यकताओं एवं केन्द्र के पदाधिकारियों का सराहनीय योगदान रहा। ●

‘धर्मो रक्षति रक्षितः’ धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए धर्मादा से जुड़ें

धर्म शास्त्रों का संदेश है कि व्यक्ति जो भी कमाये उसमें से कुछ अंश धर्म के लिए दान कर अपने धन की शुद्धि करे। क्योंकि कहा गया है-‘धर्मो रक्षति रक्षितः’ जो धर्म की रक्षा करता है धर्म उसकी रक्षा करता है। प्राचीन समय में हर व्यक्ति अपनी कमाई में से दसवां भाग ऐसे कार्यों में दान पुण्य करता था। इससे व्यक्ति की आय चाहे भले ही कम रही हो, लेकिन उसकी कमाई में बरकत बनी रहती थी। समय बदला और लोगों की आय भी बढ़ी लेकिन वे धीरे-धीरे दान-पुण्य करना भूलने लगे जिससे उनकी आय में बढ़ोत्तरी होने के बाद भी बरकत में कमी होने लगी। लोगों की आय भी बढ़े और बरकत भी बनी रहे इस उद्देश्य से पूज्य गुरुदेव जी महाराज ने विश्व जागृति मिशन द्वारा भक्तों के कल्याण के लिए धर्मादा सेवाएं प्रारम्भ करवाई हैं। मिशन अनाथाश्रम, गुरुकुल, योगा स्कूल, वृद्धाश्रम, धर्मार्थ अस्पताल, गौशालाएं, भण्डारे, आश्रम एवं मंदिर निर्माण, यज्ञ, सत्संग एवं साधना शिविर तथा दैवीय आपदाओं में सेवा-सहयोग भी करता है। आप इन सेवाकार्यों में दान-पुण्य कर अपने घर-परिवार में सुख-शांति और नौकरी-व्यापार में उन्नति-प्रगति का वरदान पायें।

**इस जीवन का पैसा अगले जन्म में काम नहीं आता,
मगर इस जीवन का पुण्य जन्मों, जन्मों तक काम आता है।**

यदि आप अभी तक धर्मादा सदस्य नहीं बने हैं और विश्व जागृति मिशन द्वारा चलाये जा रहे सेवा प्रकल्पों से संतुष्ट हैं तो श्री जी.सी. जोशी, दूरभाष-09311534556 पर सम्पर्क करें।

एक सुविधा यह भी

विश्व जागृति मिशन द्वारा संचालित विभिन्न सेवाप्रकल्पों के लिए दान आप पे.टी.एम. एवं अन्य यू.पी.आई. ऐप द्वारा भी कर सकते हैं।

Paytm UPI Accepted Here

भुगतान करने के पश्चात श्री जी.सी. जोशी जी के वाट्सऐप नं॰ 93115 34556 पर अवश्य सूचित करें।

आपके द्वारा दिया गया सहयोग आयकर की धारा 80G के अन्तर्गत करमुक्त है।

भुगतान करने के लिए पे.टी.एम. या किसी भी अन्य यू.पी.आई. भुगतान ऐप में QRcode को स्कैन करें

चलो! भगवान श्रीकृष्ण की लीलाभूमि वृन्दावन

ध्यान साधना शिविर में भाग लेने का सुनहरा अवसर

आइये, जहां बाल कृष्ण का बचपन बीता वहां ध्यान की यात्रा करें

पूज्य सुधांशु जी महाराज एवं डॉ. अर्चिका दीदी के दिव्य ज्ञान द्वारा निर्देशित

श्रीकृष्ण ध्यान योग

12 से 16 नवंबर 2025

श्री कृष्ण की नगरी में विशेष कार्यक्रम:

- पूज्यश्री सुधांशु जी महाराज एवं डॉ. अर्चिका दीदी के पावन मार्गदर्शन में ध्यान
- नवीन ध्यान शैलियों से परिचय
- वृन्दावन और आसपास के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण जो अपनी सुंदरता और आध्यात्मिक महत्व के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं।
- सुखद आवास एवं सात्विक भोजन की व्यवस्था

ध्यान स्थली:
भारती उपवन, वैजंती धाम
जगद्गुरु श्री निम्बार्काचार्य द्वार के पास,
छटीकरा रोड, वृन्दावन,
उत्तर प्रदेश, 281121

शीघ्र अपना स्थान सुरक्षित करें!

वृन्दावन और आसपास के दर्शनीय स्थल (ध्यान स्थली से उनकी दूरी)

नोटः- रमणीक स्थलों पर भ्रमण करने की व्यवस्था साधकों को स्वयं करनी होगी।

सीमित आवास व्यवस्था

आयोजकः विश्व जागृति मिशन

पंजीकरण व अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : (+91) 9589938938, 9685938938, 8826891955, 9312284390

बैंगलुरु मंडल का चार दिवसीय अमृत ज्ञान वर्षा सत्संग सम्पन्न

गुरु मार्गदर्शन एवं गति में संतुलन नहीं तो प्रगति भी संभव नहीं - सुधांशु जी महाराज

बैंगलुरु। परम पूज्य सद्गुरु श्री सुधांशु जी महाराज के पावन सान्निध्य में विश्व जागृति मिशन बैंगलुरु मंडल द्वारा 17 से 20 जुलाई, 2025 तक चार दिवसीय अमृत ज्ञान वर्षा सत्संग बैंगलुरु के कन्वेंशन सेन्टर एवं श्रीधाम आश्रम में किया गया। प्रारम्भ के 3 दिन पूर्णिमा कन्वेंशन एवं रविवार 20 जुलाई को यह सत्संग श्रीधाम आश्रम में सम्पन्न हुआ। यह सत्संग प्रात: 10 बजे से 12 तक ध्यान साधना एवं सायं 5 से 7 बजे तक सत्संग सत्र में आयोजित किया गया। सत्संग के अवसर पर मंडल के प्रधान श्री के.के. टांटिया जी एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने पूज्य महाराज का स्वागत वंदन किया एवं टांटिया परिवार ने व्यासपीठ की पूजा की। सत्संग के अवसर पर पूज्य महाराजश्री ने कहा कि व्यक्ति की यात्रा विकसित होने के साथ परम लक्ष्य तक पहुंचने की यात्रा है। सत संगति से सुमति की प्राप्ति होती है और इसी के अनुसार व्यक्ति सफल होने लगता है। अपने सद्गुरु के मार्गदर्शन में भौतिक और आध्यात्मिक प्रगति करें। जब तक व्यक्ति के जीवन में गति संतुलन नहीं है तब तक वह प्रगति करना सम्भव नहीं है। व्यक्ति संसार में रहते हुए भी उसकी प्रेरणा की ज्योति बुझ जाने पर उस भावना को छोड़ देता है जिससे उसकी प्रगति रुक जाती है। महाराजश्री ने कहा कि श्रद्धा में जब कमी होती है तब गुरु कृपा प्राप्त नहीं होती है। प्रत्येक भक्त को हमेशा अपने गुरु के प्रति अटल विश्वास और श्रद्धा होनी चाहिए। उन्होंने ने कहा कि अपने माता पिता को भगवान के रूप में देखें और उनका सम्मान करें। घर परिवार में जब व्यक्ति सम्मान पाता है तब जाकर बाहरी दुनिया में भी सम्मान मिलता है। उन्होंने समय के बारे में बोलते हुए कहा कि वक्त के पास इतना वक्त नहीं है कि वह आपको दुबारा वक्त दे सके। जो समय मिला है उसका ठीक से उपयोग करने से किस्मत बदलती है। इस अवसर पर विश्व जागृति मिशन बेंगलूरु मण्डल के प्रधान श्री आदित्य टांटिया के सनातन संस्कृति जागरण के कार्यों को देखकर परम पूज्य महाराजश्री ने 'धर्म गौरव अलंकरण' से सम्मानित किया।

महाराजश्री ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन व आत्मा बसती है। यह देश ऋषिमुनियों का देश है। परमात्मा के निकट जाने की विधि ध्यान द्वारा ही संभव है। ध्यान में बैठकर आप अनेक अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। जरूरत है ध्यान को साधने की। शांत मस्तिष्क वाला व्यक्ति संतुष्ट रहता है। इस अवसर पर अनेक राजनेताओं, समाजसेवियों और प्रबुद्धजनों ने महाराजश्री का सत्संग सुनकर आशीर्वाद प्राप्त किया। सत्संग के सफल आयोजन में टांटिया परिवार के साथ मंडल के अधिकारियों, सेवादारों व कार्यकर्ताओं की सराहनीय भूमिका रही। ●

भावपूर्ण श्रद्धाजलि

19 जुलाई, 2025 को श्री दुर्गा दास डुडेजा जी के आकस्मिक निधन का दु:खद समाचार सुनकर विश्व जागृति मिशन परिवार स्तब्ध है। उनकी परमपिता परमात्मा व सद्गुरु श्री सुधांशु जी महाराज के चरणों में अपार निष्ठा थी। वह विश्व जागृति मिशन दक्षिणी दिल्ली मण्डल के उपप्रधान थे। 65 वर्षीय श्री दुर्गा दास जी गुरु महाराज जी के सान्निध्य में मिशन द्वारा चलाये जा रहे मानवसेवा कार्यों में सेवा सहयोग करना अपना परमधर्म मानते थे। स्वर्गीय श्री दुर्गा दास डुडेजा जी के निधन पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि वह दिवंगत पुण्यात्मा को अपने चरण-शरण में स्थान दें और डुडेजा परिवार को इस असहनीय दु:ख की घड़ी में शक्ति व साहस प्रदान करें।

–देवराज कटारीया, महामंत्री-विश्व जागृति मिशन

गुरुमुख से नि:सृत अमृतवाणी

- अवसर चुका किसान, डाल से चूका वानर, पेड़ से टूटा पत्ता और स्कूल से भागा विद्यार्थी, किसी स्थान की शोभा नहीं बन पाते। अगर आप अपने लक्ष्य से गिरोगे तो शोभा और सम्मान नहीं पाओगे, बल्कि चोट खा जाओगे।
- चौराहे पर चार रास्तों में से एक ही रास्ता चुना जाता है। इसलिए अपनी बुद्धि की हेडलाइट को जलाकर चलिए, अपने गुरु के निर्देशन को अपनाकर चलिए, एकाग्रता धारण करके लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाइए, मंजिल तक पहुंच जाओगे।
- बच्चे फूल जैसे कोमल होते हैं, उन्हें भयभीत होना, चिन्ता ग्रस्त होना मत सिखाइए। चिन्ता और भय से ग्रस्त होकर फूल जैसे कोमल बच्चे मुरझा जाते हैं।

गुरुकुल के विद्यार्थी ने भारत की सी.यू.ई.टी. परीक्षा (संस्कृत) में प्राप्त किया प्रथम स्थान

परमपूज्य सद्गुरु श्री सुधांशु जी महाराज की असीम कृपा से सभी भक्तों के लिए बहुत ही हर्ष और गौरव का विषय है कि महर्षि वेदव्यास गुरुकुल विद्यापीठ के छात्र ललित कुमार ने सी.यू.ई.टी. परीक्षा 2025 में संस्कृत विषय में अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। तथा हिन्दी विषय में भी द्वितीय स्थान प्राप्त कर गुरुकुल एवं सम्पूर्ण विश्व जागृति मिशन परिवार को गौरवान्वित किया है। ●

कामधेनु गौशाला

गौ माता के संरक्षण और संवर्द्धन हेतु दान देकर पुण्य के भागीदार बनें।

कृपया गौशाला में दान देने के लिए आप अपनी सहयोग राशि ''विश्व जागृति मिशन-गौशाला'' के एक्सिस बैंक लिमिटेड, A-11, विशाल एनक्लेव, राजौरी गार्डन गार्डन, नई दिल्ली - 110027 के खाता संख्या -910010001264246, IFSC Code - UTIB0000066 में सीधे जमा करवा सकते हैं, इसकी सूचना आप श्री सतीश शर्मा-मो०-9310278078 पर अवश्य भेजें ताकि जमा राशि की रसीद बनाकर आपको प्रेषित कर सकें।

Paytm UPI Accepted Here

भुगतान करने के लिए पे.टी.एम. या किसी भी अन्य यू.पी.आई. भुगतान ऐप में QRcode को स्कैन करें

आपके द्वारा दिया गया दान आयकर की धारा 80-G के अंतर्गत कर मुक्त है।

कार्यालय : आनन्दधाम आश्रम, नांगलोई-नजफगढ़ रोड, बक्करवाला मार्ग, नई दिल्ली-110041
दूरभाष : 9560792792, 9582954200
ई-मेल : annapurna@vishwajagritimission.org
वेबसाइट : www.vishwajagritimission.org

अपने स्वयं व अपनों के जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ व पूर्वजों की पुण्यस्मृति में अन्नपूर्णा योजना के अन्तर्गत यजमानों द्वारा आनन्दधाम आश्रम के गुरुकुल, वृद्धाश्रम में भोजन करवाया जाता है तथा गऊओं के लिए गौग्रास भी दिया जाता है। इस अवसर पर यजमानों के लिए मंगलकामना करते हुए आचार्यों एवं ऋषिकुमारों द्वारा प्रार्थना और यज्ञ भी किया जाता है।

इस योजना की सहयोग राशि आप सीधे बैंक खाते में भी जमा कर सकते हैं–

"VISHWA JAGRITI MISSION" का A/c No. 916010029741912 Axis Bank, East Punjabi Bagh, New Delhi-110026, IFS CODE - UTIB0002497.

www.vishwajagritimission.org
आनंदधाम आश्रम, नांगलोई-नजफगढ़ रोड, बक्करवाला मार्ग, नई दिल्ली-110041

राशि जमा कराने के उपरान्त उसकी सूचना हमें ई-मेल : annapurna@vishwajagritimission.org याव्हाट्सऐप नम्बर : 9582954200, 9560792792 पर अवश्य भेजें,ताकि जमा की गई राशि की रसीद आपको भेजी जा सके।

एक से अधिक तिथियाँ आरक्षित कराने के लिए उपरोक्त ई-मेल आई.डी. पर सूचित करें।

(आपके द्वारा दिया गया दान आयकर की धारा 80G के अन्तर्गत कर मुक्त है)

आनन्दधाम आश्रम, नई दिल्ली में हर्षोल्लास से मनाया गया युवा जीवन अभ्युदय कार्यक्रम

» युवा जीवन अभ्युदय दिवस पर देश भर में 108 संस्कार केन्द्रों की स्थापना का अभियान

» पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से जन्मदिवस पर डॉ. दीदी ने किया वृक्षारोपड़

आनंदधाम, नई दिल्ली। पूज्य सद्गुरु श्री सुधांशु जी महाराज के आशीर्वाद से विश्व जागृति मिशन द्वारा आनंदधाम आश्रम, नई दिल्ली में ध्यान गुरु डॉ. अर्चिका दीदी का जन्मोत्सव 3 व 4 अगस्त, 2025 को 'युवा जीवन अभ्युदय दिवस' के रूप में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर 3 अगस्त को प्रात:कालीन सत्र में सुप्रसिद्ध गायिका डॉ. अंजुम मुंजाल और उनकी टीम द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई।

गुरुकुल के विद्यार्थियों द्वारा मांगलिक मंत्र पाठ से व्यास मंच में शुभागमन पर पूज्य गुरुवर एवं डॉ. दीदी के करकमलों से दीप प्रज्जवलन कर 'युवा जीवन अभ्युदय' कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। तदुपरान्त ज्ञानदीप विद्यालय की छात्राओं द्वारा गणेशवंदना और गुरुकुल के विद्यार्थी द्वारा 'युवा जीवन अभ्युदय' पर कविता पाठ किया गया। इसके पश्चात् कार्यक्रम में उपस्थित 'विश्व जागृति मिशन इंटरनेशनल योग स्कूल एवं अन्य विद्यालयों के सहभागी छात्र-छात्राओं द्वारा लयबद्ध सामूहिक योग प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। संगोष्ठी व नृत्य आदि विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।

इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के उपरांत कार्यक्रम में आमंत्रित विशिष्ट वक्ता श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. श्री रमेश कुमार पाण्डेय जी, राष्ट्रीय स्वयं संवक संघ के श्री संजय कुमार जी, श्री तरुण जी, श्री उत्तम जी, समाख्या आई.ए.एस. के पूर्व निदेशक श्री मूलचंद संख्य जी, मोतीलाल नेहरु महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक श्रीमती मोनिका पुरी सेठ जी ने इस कार्यक्रम में अपने वक्तव्य दिए। इसी कड़ी में कौशल विकास केन्द्र फरीदाबाद द्वारा भी कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। 'राष्ट्र निर्माण में युवाओं का योगदान' विषय पर प्रतियोगिता आयोजित की गई। डॉ. दीदी और पूज्य महाराज श्री का युवा जीवन अभ्युदय पर सभी सभी ने उद्बोधन सुना। सायंकालीन कार्यक्रम में आदर्श संस्कार केन्द्रों की स्थापना का विस्तार से बताया गया और बाल संस्कार स्थापना पर वृत्तचित्र प्रस्तुत किया गया।

4 अगस्त, 2025 को आनन्दधाम आश्रम की रौनक देखते ही बन रही थी। चारों ओर उत्सव और उत्साह था। पूज्य गुरुवर, गुरुमाँ और डॉ. दीदी को एक साथ मंच पर दर्शन कर भक्तों की श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। भजनों से कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। योग इत्यादि सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई और विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी छात्रों को पुरस्कृत किया गया। डॉ. दीदी के जन्मोत्सव पर आनन्द धाम में जानी-मानी कवि, लेखक एवं कलाकार सुश्री मणिका दुबे के काव्य पाठ को सुनकर सभी श्रोताजन भावविभोर हुए। इस अवसर पर युवा जागृति के लिए विशेष कार्य करने वालों को 'युवा अचीवमेंट' पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। जन्मदिवस के अवसर पर डॉ. दीदी ने आनन्दधाम में वृक्षारोपड़ भी किया।

युवा जीवन अभ्युदय कार्यक्रम के अवसर पर भक्तों को सम्बोधित करते हुए गुरुवर ने कहा–युवा जीवन अभ्युदय कार्यक्रम में आनंदधाम आश्रम आए सभी भक्तों को आशीर्वाद, मंगल कामनाएं। आज डॉ. अर्चिका जी का जन्मदिवस है। वे अपनी जीवन की अवधि को जिस प्रकार से समाज सेवा में, उनके आध्यात्मिक उत्थान में और करुणामयी होकर मानव कल्याण के लिए कार्य करने में अपनी शक्ति ऊर्जा लगा रही हैं इसके लिए उन्हें बहुत-बहुत आशीर्वाद। हम देव संस्कृति, भारत की संस्कृति, ऋषि संस्कृति को पूरे देश में फैला सकें और उसकी सुगंध को पूरे विश्व में पहुंचा सकें। इसके लिए हम भारत भर में 108 संस्कार केन्द्रों की स्थापना का हम अभियान चला रहे हैं। इस अभियान की सफलता के लिए आप सभी आगे आएं।

डॉ. अर्चिका दीदी ने कहा–आज के समय में संस्कृति को बचाने ओर बच्चों में अच्छे संस्कार देने की विशेष आवश्यकता है। बचपन से ही बच्चों में नैतिक मूल्यों के बीज डालें, उन्हें मंदिर और आश्रमों से जोड़े। अपनी संस्कृति और संस्कारों का परिचय कराएं। परमात्मा की बड़ी कृपा है कि उसने यह मानव शरीर का उपहार देकर हम सभी का महान उपकार किया है। इसलिए मानव रूपी उपहार को सार्थक बनाएं। स्वयं का सुधार करें और अपने बच्चों व घर-परिवार को अच्छा बनाएं। आप अपने बच्चों को धर्म-संस्कृति और संस्कारों की शिक्षा दें। महापुरुषों की कहानियां पढ़ाएं, वीरगाथाएं पढ़ाएं। वे हमारे शास्त्रों को पढ़ें जानें और समझें। आज हम सभी की जिम्मेदारी बनती है कि हम अपने देश और संस्कृति के लिए आदर्श कार्य करें। गुरुवर के आशीर्वाद से मिशन द्वारा देशभर में संस्कार केन्द्र संचालित किए जा रहे हैं। आप सभी गुरुभक्त बच्चों और युवाओं को अच्छे संस्कार देने के उद्देश्य से इन संस्कार केन्द्रों से जुड़ें और जोड़ें।

भण्डारे प्रसाद के साथ यह कार्यक्रम सायंकाल 5 बजे सम्पन्न हुआ। समस्त आश्रमवासियों व आश्रम स्थित सभी विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों ने केक काटकर डॉ. दीदी को जन्मदिवस की बधाई देते हुए हंसी-खुशी से जन्मोत्सव मनाया। ●

विश्व जागृति मिशन (रजि०) के लिए श्री देवराज कटारीया द्वारा समाचार पत्र "**धर्मदूत**" ओंकारेश्वर महादेव मंदिर, 'जी' ब्लॉक, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली-110015 से प्रकाशित एवं पुष्पक प्रिन्टर्स द्वारा मुद्रित। ग्रॉफिक डिजाइनिंग : सीता फाईन आर्ट्स प्रा० लि०, नई दिल्ली। सम्पादक : डॉ. नरेन्द्र मदान